

गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण से पहले औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में तेजी

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : राज्य के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे स्थापित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्रों में विकास के कार्य तेज कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे पहले चरण में 11 इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग एवं लाजिस्टिक क्लस्टर (आइएमएलसी) की स्थापना कर रहा है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। 29 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। यूपीडा की कोशिश है कि इससे पहले सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम पूरा करा लिया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यूपीडा द्वारा राज्य भर में 27 आइएमएलसी स्थापित किए

● आइएमएलसी में 29 से पहले बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी

● कई जगह भूमि अधिग्रहण का कार्य लगभग पूरा और भूमि की जा रही है चिह्नित



जा रहे हैं। इनमें से गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 3707.19 एकड़ में 11 आइएमएलसी स्थापित किए जाने हैं। प्रदेश का सबसे लंबा 594 किलोमीटर का गंगा एक्सप्रेसवे उन्नाव, हरदोई, शाहजहाँपुर, संभल, बदायूं, मेरठ, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमरौहा, बुलंदशहर, हापुड़ व प्रयागराज के 519 गांवों से होकर

गुजरेगा। यह एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुड़ापुर दांडू गांव पर समाप्त होगा। इस एक्सप्रेसवे का संचालन शुरू होने के बाद राज्य की कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा। नतीजतन यूपीडा ने इसके लोकार्पण से पहले सभी स्थापित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी

कृषि, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा सीधा फायदा

प्रदेश के किसानों के लिए यह एक्सप्रेसवे मददगार साबित होगा। किसान कृषि उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी कीमत बेहतर होगी। जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों की आपूर्ति वेन मजबूत होने से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते राज्य में सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रयागराज सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य तेज कर दिया है। प्रयागराज में जहां पर गंगा एक्सप्रेसवे समाप्त हो रहा है, उसी के आसपास 101 हेक्टेयर में इंडस्ट्रियल कारिडोर बनेगा, 37 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। प्रयागराज में यूपीडा के सहायक अभियंता नरेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि शेष जमीन का अधिग्रहण जल्द किया जाएगा। वहीं प्रतापगढ़ जनपद में गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे इंडस्ट्रियल कारिडोर बनाने को 195 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की जा चुकी है। उद्योग एवं उद्यम

प्रोत्साहन केंद्र के उपायुक्त साहब शरण ने बताया कि इंडस्ट्रियल कारिडोर में चार गांव शामिल हुए हैं। 195 हेक्टेयर जमीन चिह्नित हुई है।

औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, पानी की निकासी, बिजली, रोजगार जोन, कामन सुविधा क्षेत्र, प्रदर्शनी स्थल, प्रशासनिक भवन के साथ चहारदीवारी के कार्य प्राधिकरण द्वारा कराए जाने हैं। यह सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ ही यूपीडा ने इन औद्योगिक क्षेत्रों में निवेशकों को भूमि आवंटन का कार्य भी शुरू कर दिया है।